शालोम!
प्रभु यीशु मसीह के नाम में आपका स्वागत है।
आज हम परमेश्वर द्वारा दिए गए एक अद्भुत आदेश पर मनन करेंगे — शरण के नगरों के विषय में।

प्राचीन इस्राएल में शरण के नगर

जब इस्राएली लोग वाचा के देश में प्रवेश करने वाले थे, परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह कुछ विशेष नगर नियुक्त करे — “शरण के नगर”, जहाँ कोई व्यक्ति यदि किसी को अनजाने में मार डाले,
तो वह वहाँ भागकर न्याय होने तक सुरक्षित रह सके।

“तू इस्राएलियों से कह, जब तुम यरदन पार कर कनान देश में पहुँचो,
तब अपने लिये ऐसे नगर ठहराना, जो शरण के नगर ठहरें,
ताकि जो किसी मनुष्य को अनजाने में मारे, वह वहाँ भाग सके।” — गिनती 35:10–11

ऐसे कुल छः नगर थे — तीन यरदन के पूर्व और तीन पश्चिम।

ये नगर परमेश्वर की दया और न्याय दोनों के प्रतीक थे।

यदि किसी से अनजाने में किसी की मृत्यु हो जाती,
तो वह “रक्त का बदला लेने वाले” से पहले इन नगरों में भाग सकता था।
वहाँ वह सुरक्षित रहता, जब तक कि वह सभा के सामने न्याय के लिये उपस्थित न हो जाए।

“वे तुम्हारे लिये शरण के नगर ठहरें, ताकि रक्त का बदला लेने वाला उसे न मारे,
जब तक वह सभा के सामने न्याय के लिये खड़ा न हो जाए।”
— गिनती 35:12

मसीह — हमारा सच्चा शरण नगर

शरण के नगर केवल भौतिक सुरक्षा के लिये नहीं थे,
बल्कि वे मसीह का एक भविष्यसूचक प्रतीक थे।
जैसे कोई दोषी व्यक्ति नगर में भागकर शरण पाता था, वैसे ही हम भी यीशु मसीह में शरण पाते हैं।

“यहोवा का नाम दृढ़ गढ़ है; धर्मी उस में भाग जाता है, और सुरक्षित रहता है।”
— नीतिवचन 18:10

बिना शरण नगर के, वह व्यक्ति निश्चित मृत्यु का सामना करता। उसी प्रकार, बिना मसीह के, हर पापी को अनन्त मृत्यु का दण्ड भोगना पड़ता है।

मसीह में ही वह द्वार खुला है, जिससे कोई भी —
गरीब या धनी, यहूदी या अन्यजाति, स्त्री या पुरुष —
शरण पा सकता है।

“हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।”
— मत्ती 11:28

महायाजक और दोष से मुक्ति

पुराने नियम में, जो व्यक्ति शरण के नगर में भागा था,
उसे महायाजक की मृत्यु तक उसी नगर में रहना पड़ता था।

महायाजक की मृत्यु के बाद ही वह अपने घर लौट सकता था,
और फिर कोई भी उसे मार नहीं सकता था।

“पर यदि वह व्यक्ति शरण के नगर की सीमा से बाहर जाए,
और रक्त का बदला लेने वाला उसे बाहर पा ले और मार डाले,
तो वह दोषी न ठहराया जाए।
क्योंकि उसे महायाजक की मृत्यु तक नगर में रहना था।
परन्तु महायाजक की मृत्यु के बाद वह अपने निज देश लौट सकता है।”
— गिनती 35:26–28

यह एक गहरी भविष्यवाणी थी —
हमारे सच्चे महायाजक यीशु मसीह के विषय में।
जब उन्होंने क्रूस पर अपने प्राण दिए,
तब हमारा पूरा ऋण चुका दिया गया, और दोष मिटा दिया गया।

अब कोई भी “रक्त का बदला लेने वाला” — अर्थात् शैतान या न्याय

—

हमें स्पर्श नहीं कर सकता।
हम मसीह की मृत्यु के द्वारा स्वतंत्र कर दिए गए हैं।

“परन्तु मसीह भावी उत्तम वस्तुओं का महायाजक होकर आया,
और न बकरों या बछड़ों के लोहू से,
परन्तु अपने ही लोहू से एक बार पवित्र स्थान में प्रवेश किया,
और सदा का उद्धार प्राप्त किया।”
— इब्रानियों 9:11–12

मसीह की ओर भागो — तुम्हारा शरण नगर

प्रिय जन,
“शरण के नगरों” का सन्देश हमें यही कहता है —
“यीशु की ओर भागो, विलम्ब मत करो!”

यह संसार पाप, अपराध और दण्ड से भरा हुआ है।
हर व्यक्ति पापी है और पवित्र परमेश्वर के सामने दोषी ठहरता है।
परन्तु एक स्थान है जहाँ सुरक्षा है —
वह स्थान है केवल मसीह में।

“ताकि हम, जिन्होंने शरण ली है,
उस आशा को थामे रहें जो हमारे सामने रखी गई है।”

— इब्रानियों 6:18

यदि तुमने अभी तक मसीह की शरण नहीं ली है,
तो अब ही समय है।
न्याय का दिन निकट है —
“रक्त का बदला लेने वाला” (अर्थात् पाप और मृत्यु) पीछे लगा हुआ है,
परन्तु यीशु अभी भी अपने बाँहें फैलाए कहते हैं:

“जो मेरे पास आता है, मैं उसे कभी न निकालूँगा।”
— यूहन्ना 6:37

अन्तिम बुलाहट

शरण के नगर के द्वार कभी बन्द नहीं होते थे —
दिन हो या रात, कोई भी वहाँ भागकर सुरक्षा पा सकता था। उसी प्रकार, परमेश्वर की कृपा का द्वार आज भी खुला है। परन्तु एक दिन यह द्वार बन्द हो जाएगा,
जब मसीह फिर से आएंगे।

इसलिए आज ही उनके पास आओ।
अपने पापों को स्वीकार करो।
उनके लहू के द्वारा क्षमा और उद्धार प्राप्त करो। वही तुम्हारा शरण स्थान, तुम्हारा रक्षक, और तुम्हारा उद्धारकर्ता है।

“क्योंकि तू मेरा शरणस्थान रहा है,
शत्रु से मेरी रक्षा करने के लिये दृढ़ गढ़ है।”
— भजन संहिता 61:3

प्रार्थना

हे प्रभु यीशु,
तू मेरा शरणस्थान और मेरा उद्धार है।
आज मैं पूरे मन से तेरे पास आता हूँ।
मेरे पाप क्षमा कर, अपने लहू से मुझे शुद्ध कर,
और अपनी दया में मुझे सुरक्षित रख।
मेरे लिये मरने और मुझे स्वतंत्र करने के लिये धन्यवाद। आमीन।

स्मरण रखें:
जैसे शरण के नगर के द्वार सदा खुले थे,
वैसे ही मसीह का हृदय भी आज आपके लिये खुला है।
विलम्ब न करें —
यीशु की ओर भागें, और उसमें शरण पाएं।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp